

क्षपिरा में बढ़ते प्रदूषण पर CAG की रपिर्ट में चत्ता जताई गई चर्चा में क्यों?

भारत के [नयित्तरक एवं महालेखा परीकषक](#) की रपिर्ट के अनुसार, कई राज्य सरकारी एजेंसियों के हस्तक्षेप के बावजूद, क्षपिरा नदी प्रदूषित बनी हुई है।

मुख्य बढि:

- इसमें बताया गया है कि क्षपिरा उप-बेसिन के कुप्रबंधन और भुजल के दोहन के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह कम हो गया है।
- इस रपिर्ट में कहा गया है कि स्थानीय शहरी नकियाँ का अपशषिट नदी में प्रवाहति हो रहा है।
- औद्योगिक अपशषिट के अपर्याप्त उपचार, नदी तल पर प्रदूषण के कारण क्षपिरा जल और उसकी सहायक नदियों की गुणवत्ता में गरीवत आई है।
- CAG ने अपनी रपिर्ट में सफारिश की है कि मध्य प्रदेश प्रदूषण नयित्तरण बोर्ड को उद्योगों पर उचित और पर्याप्त नगरानी सुनश्चिति करनी चाहिये।
- लोक निर्माण वभिण की रपिर्ट में राज्य में निर्माणाधीन पुलों के पूरा होने में देरी का उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि अक्टूबर 2020 तथा सतिंबर 2021 के बीच पाँच डविीज़नों में जनि 72 नमूना पुलों की जाँच की गई, उनमें से केवल नौ समय पर पूरे हुए थे।

क्षपिरा नदी

- यह मध्य प्रदेश राज्य की एक बारहमासी नदी है
- इसका उद्गम बधिय परवतमाला में काकरी-टेकड़ी नामक पहाड़ी से होता है, जो धार के उत्तर में है और उज्जैन से 11 कमी. की दूरी पर स्थिति है।
- यह नदी 195 कमी. लंबी है, जसिमें से 93 कमी. उज्जैन से होकर बहती है।
- यह मालवा पठार से होकर बहती हुई चम्बल नदी में मलि जाती है
- धार्मिक महत्त्व:
 - पुराणों या प्राचीन हदू ग्रंथों में कहा गया है कि क्षपिरा की उत्पत्ति भगवान वषिणु के वराह अवतार के हृदय से हुई है।
 - इसके अलावा क्षपिरा के तट पर ऋषिसिंदीपनिका आश्रम है, जहाँ भगवान वषिणु के आठवें अवतार कृष्ण ने अध्ययन किया था।
 - इसका उल्लेख न केवल प्राचीन हदू ग्रंथों में बल्कि बौद्ध और जैन ग्रंथों में भी मलिता है।
 - पवतिर शहर उज्जैन क्षपिरा नदी के दाहनि किनारे पर स्थिति है। प्रसदिध कुंभ मेला इस शहर के घाट पर प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार लगता है, जो देवी क्षपिरा नदी का वार्षिक उत्सव है।
 - इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ खान और गंभीर हैं।